

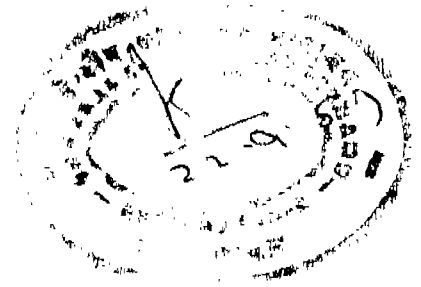


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकरण से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 356]  
No. 356]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 2, 1987/आषाढ़ 11, 1909  
NEW DELHI, THURSDAY, JULY 2, 1987/ASADHA 11, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

वित्त मंत्रालय  
(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 2 जुलाई, 1987

अधिसूचना

सं० 256/87-सीमाशुल्क

सां० का० नि० 629 (अ):—केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (i) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक-हित में ऐसा करना आवश्यक है, इस अधिसूचना के अन्तर्गत में विनिर्दिष्ट माल को (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त माल कहा गया है) जब उनका भारत में भारत सरकार, वाणिज्य मंत्रालय द्वारा लोक सूचना सं० पी एन 59/आई०टी०सी० (पी०एन०) 1974 तारीख 10 अक्टूबर 1984 में अधिसूचित मूल्य व्यापार जोन में आभूषणों के विनिर्माण के लिए आयात और निर्यात नीति, 1984-85 के अन्तर्गत 20 से 22 के अनुसार स्कीम, के अधीन कोचीन निर्यात प्रसंस्करण जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त जोन कहा गया है) में स्थापित रत्न और आभूषण-यूनिटों द्वारा या उनकी ओर से आयात किया जाए, सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुसूची के अधीन

उस पर उद्घाटनीय सम्पूर्ण सीमाशुल्क और उक्त सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, की धारा 3 के अधीन उस पर उद्घाटनीय प्रतिरिक्त शुल्क से, यदि कोई हो, निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए, छूट देती है, अर्थात्:—

- आयातकर्ता को उक्त जोन में विनिर्माण यूनिट या यूनिटें स्थापित करने के लिए प्राधिकृत किया गया है।
- आयातकर्ता, जहां कहीं प्रवेशित हो, भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी किसी साधारण या विनिर्दिष्ट अनुज्ञा पत्र के अन्तर्गत आता है।
- आयातकर्ता को उक्त माल को आयात करने के लिए आवश्यक अनुमति मंजूर की गयी है।
- आयातकर्ता, 0.999 की शुद्धता और शुद्धता वाले स्वर्ण का भारतीय स्टेट बैंक या भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए अभिहित किसी अन्य अधिकरण के माध्यम के सिवाय आयात नहीं करेगा और भारत सरकार की टकसाल, मुम्बई द्वारा, ऐसी शुद्धता वाली स्वर्ण पर, पहचान चिह्न मुद्रित किया गया है।

- (v) आयातकर्ता, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त का यह समाधान कर देता है कि इस प्रकार आयातित माल का उपयोग भारत के बाहर निर्यात के लिए रत्न और आभूषणों के विनिर्माण या पैकिंग करने या रत्न और आभूषणों के ऐसे निर्यात का संवर्धन करने के संबंध में किया जाएगा।
- (vi) आयातकर्ता, ऐसे प्रकृष और ऐसी राशि के लिए, जो उक्त जोन के विकास आयुक्त द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, एक बंस्पल निर्धारित करने के लिए करार करता है, जिसमें वह निर्यात वस्तुताओं का पालन करने और अन्य बातों के साथ-साथ इस अधिसूचना में अनुबद्ध शर्तों का पालन करने के लिए स्वयं को बाध करता है।
- (vii) आयातकर्ता उक्त जोन में माल को साने और उक्त जोन के भीतर भारत के बाहर निर्यात के लिये रत्न और आभूषणों का विनिर्माण या पैकिंग करने या रत्न और आभूषणों के ऐसे निर्यात के संवर्धन करने के लिए उनका उपयोग करने के लिए, करार करता है।
- (viii) आयातकर्ता, उक्त जोन के भीतर विनिर्मित या पैक किए गए सभी माल का भारत के बाहर निर्यात करने के लिए करार करता है।
- (ix) आयातकर्ता, माल के आयात, उपयोग और उपयोग का तथा अपने द्वारा किए गए निर्यात का समुचित लेखा रखेगा और ऐ-लेखा समय-समय पर सहायक सीमाशुल्क आयुक्त को, ऐसे प्राकृष में ऐसी रीति से प्रस्तुत करेगा जो सीमा-शुल्क आयुक्त द्वारा अधिकृत की जाए।
- (x) उक्त जोन में विनिर्मित रत्न और आभूषण, जिसके अन्तर्गत प्रतिनिधित माल भी है जो भारत में किसी अन्य स्थान में (अर्थात् धरेणू टैरिफ क्षेत्र) किसी भी प्रयोजन के लिए नहीं लाया जाएगा।
- (xi) उस दशा में जब कोई यूनिट अपना प्रचालन बंद करती है आभूषणों के विनिर्माण के लिए स्वर्ण, अन्य बहुमूल्य धातुएं, मिश्रधातु, रत्न और सामग्री भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा इस निमित्त नामनिर्दिष्ट अधिकरण को सौंप दी जाएगी।
- (xii) विनिर्माण प्रक्रिया में हुई स्वर्ण की हानि, जो जड़ाऊ आभूषणों की दशा में 3 प्रतिशत से और हस्तशिल्पित या मशीन निमित्त साध आभूषणों की दशा में 2 प्रतिशत से अधिक होगी, सहायक सीमाशुल्क आयुक्त, द्वारा ऐसी शर्तों को पूरा करने पर, जो विनिर्दिष्ट की जाएं, अनुज्ञात की जाएगी। और जांचने और जड़ाई और वैसी ही दशा में अनुज्ञात अर्पणित का अवधारण निर्यात की गयी प्रत्येक जांच और जड़ाई के वैसी ही स्वर्ण की अन्तर्वस्तु के भार के आधार पर पर किया जाएगा।
- (xiii) इस अधिसूचना के अधीन निर्यात केवल निम्नलिखित विमानपत्तन से, वायु मास जाड़े द्वारा किया जाएगा।
- (xiv) आयातकर्ता, मांग किए जाने पर निम्नलिखित, पर उद्ग्रहणीय शुल्क के बराबर रकम का संवाय करेगा।
- (क) ऐसे माल पर जो ऐसी पूंजी माल है, जिसके बारे में सहायक सीमा शुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल।
- (i) उक्त जोन के भीतर संस्थापित किया गया है या अन्यथा उपयोग में लाया गया है या उसके आयात की तारीख से

एक वर्ष के भीतर या बढ़ाई गयी अवधि के भीतर, जिसे सहायक सीमाशुल्क कलक्टर, अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त जोन के भीतर उसका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करें।

- (ii) उक्त जोन के भीतर संस्थापन या उपयोग किए जाने के पश्चात् जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है।

(ख) पूंजी माल से भिन्न, ऐसे माल पर जिसके बारे में सहायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं होता है कि वह माल।

- [(i) भारत के बाहर निर्यात के लिए उक्त जोन के भीतर रत्न और आभूषण के विनिर्माण या पैकिंग के संबंध में या ऐसे माल के निर्यात के संवर्धन के लिए उपयोग किया गया है, या उसके आयात की तारीख से एक वर्ष के भीतर या ऐसी बढ़ाई गई, तारीख 'अवधि' के भीतर जिसे सहायक सीमाशुल्क कलक्टर अपना यह समाधान हो जाने पर कि उक्त अवधि के भीतर उसका उपयोग न किए जाने या उसका पुनः निर्यात न किए जाने का पर्याप्त कारण है, अनुज्ञात करें, पुनः निर्यात किया गया है।

- [(ii) रत्न और आभूषण के निर्यात के संवर्धन के संबंध में उक्त जोन के भीतर प्रतिधारित किया गया है।

स्पष्टीकरण : इस अधिसूचना के प्रयोजनार्थ कोबीन निर्यात प्रसंस्करण जोन में, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की समय-समय पर यथा संशोधित अधिसूचना सं० 340 सीमाशुल्क / 86 तारीख, 13-8-86 के पैरा 5 में यथा-विनिर्दिष्ट सीमाबद्ध स्थान समाविष्ट होंगे।

#### उपाबंध

#### माल का वर्णन

1. पूंजी माल
2. कच्ची सामग्री
3. घटक
4. उत्पादन मशीनरी के अतिरिक्त पूंजी
5. माल के विनिर्माण के लिए अपेक्षित उपयोग
6. औजार जिन, प्रभावी, जुड़नार, सांचे, जार्ड, यंत्र, और उपसाधन
7. पैकिंग सामग्री
8. आदिप्रकृष और तकनीकी नभूने।
9. विदेशी जेता द्वारा परिवान या मरस्मस के लिए लेने में असफल रहने पर उक्त जोन के आयात किए जाने की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर पुनः आयातित माल।

[सं० 256/87-सीमाशुल्क एफ०सं० 305/58/87-एफ०टी०टी०]

#### MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 2nd July, 1987

#### NOTIFICATION

No. 256/87-CUSTOMS

G.S.R. 629(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Annexure to this notification (hereinafter

referred to as the said goods), when imported into India by or on behalf of the gem and jewellery units set up in Cochin Export Processing Zone at Cochin (hereinafter referred to as the said Zone) under the scheme, for the manufacture of jewellery in free trade zones notified by the Government of India, in the Ministry of Commerce, in public Notice No. P. N. 59/ITC(PN)1984, dated the 10th October, 84, as Annexure V to Appendix 22 of the Import and Export Policy, 1984,85 from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), and from the whole of the additional duty, if any leviable thereon under section 3 of the said Customs Tariff Act, subject to the following conditions, namely :—

- (i) the importer has been authorised to establish manufacturing unit or units in the said Zone;
- (ii) the importer is covered wherever required by a general or specific permit issued by the Reserve Bank of India;
- (iii) the importer has been granted necessary licence, for the import of the said goods;
- (iv) the importer shall not import gold of 0.999 fineness and purity except through the State Bank of India or any other Agency designated for the purpose by the Government of India in the Ministry of Commerce and the identification mark on the gold of such fineness has been stamped by the India Government Mint, Bombay;
- (v) the importer satisfies the Assistant Collector of Customs that the said goods so imported shall be used in the manufacture or packaging of gem and jewellery for export out of India, or for, the promotion of exports of gem and jewellery;
- (vi) the importer agrees to execute a bond in such form and for such sum as may be specified by the Development Commissioner of the said Zone binding himself to fulfil the export obligation and to fulfil, inter-alia, the conditions stipulated in this notification;
- (vii) the importer agrees to bring the goods into the said Zone and use them within the said Zone in the manufacture or packaging of gem and jewellery for export out of India or for the promotion of such exports of gem and jewellery;
- (viii) the importer agrees to export out of India all goods manufactured or packaged within the said Zone;
- (ix) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the goods and of exports made by him and shall submit such account periodically

to the Assistant Collector of Customs, in such form and in such manner, as may be laid down by the Collector of Customs;

- (x) gem and jewellery, including the rejects, manufactured in the said Zone, shall not be brought to any other place in India (that is to say the Domestic Tariff Area) for whatever purpose;
- (xi) in the event of such a Unit ceasing its operation, gold, other precious metals, alloys, gem and material for the manufacture of jewellery shall be handed over to the Agency, nominated in this behalf by the Government of India in the Ministry of Commerce;
- (xii) the loss of gold in the manufacturing process, not exceeding 3 per cent in the case of situated jewellery, and 2 per cent in the case of handcrafted or machine made plain jewellery, may be allowed by the Assistant Collector of Customs subject to fulfilment of such conditions as he may specify and in the case of findings and mountings and the like, the wastage allowed shall be determined on the basis of the weight of the gold content of each findings, mountings and the like exported;
- (xiii) export under this notification shall be allowed only by air freight through the Trivandrum Airport;
- (xiv) the importer shall pay, on demand, an amount equal to the duty leviable.—
  - (a) on goods which are capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been—
    - (i) installed or otherwise used within the said Zone or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there is sufficient cause for not using them within the said Zone or for not re-exporting them within the said period; allow;
    - (ii) retained within the said Zone after installation or use inside the said Zone;
  - (b) on goods, other than capital goods as are not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been;
    - (i) used in connection with the manufacture or packaging of gem and jewellery within the said Zone for export out of India or for the promotion of export of such goods or re-exported within a period of one year from the date of importation thereof or within such extended period as the Assistant Collector of Customs may, on being satisfied that there

is sufficient cause for not using them or for not re-exporting them within the said period, allow;

- (ii) retained within the said Zone in connection with the promotion of exports of gem and jewellery.

Explanation : For the purposes of this notification, the Cochin Export Processing Zone shall comprise of the places enclosed by the boundaries as specified in paragraph 5 of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 340-Customs/86 dated the 13-6-86 as amended from time to time.

#### ANNEXURE

##### Description of goods

1. Capital goods.
2. Raw Materials.
3. Components.
4. Spares of production machinery.
5. Consumables required for manufacture of goods.
6. Tools, Jigs, Gauges, Fixtures, Moulds, Dies, Instruments and Accessories.
7. Packaging Materials.
8. Prototypes and technical samples.
9. Goods re-imported within one year from the date of exportation from the said Zone due to the failure of the foreign buyer to take delivery or for repairs.

[No. 256/87-Customs-F. No. 305/58/87-FTT]

सं० 257/87-सीमाशुल्क

सा.का.नि. 630 (अ) :—केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1987 (1987 का 11) की धारा 93 की उपधारा (4) के साथ पठित

सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 207/87-सीमा शुल्क तारीख 12 मई, 1987 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना से उपाबंध अनुसूची में, क्रम सं०-289 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम सं० और प्रविष्टि अन्तः स्थापित की जाएगी अर्थात् :—

“290 सं० 256/87-सीमाशुल्क, तारीख 2 जुलाई, 1987” ।

[सं० 257/87-सीमाशुल्क सं० एक० 305/58/87-एक०टी०टी०]

भार० के० कपूर, प्रवर सचिव

#### No. 257/87-CUSTOMS

G.S.R. 630(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 93 of the Finance Act, 1987 (11 of 1987), the Central Government being satisfied that it is necessary to the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 207/87-Customs, dated the 12th May, 1987, namely :—

In the Schedule to the said notification, after S. No. 289 and the entry relating thereto, the following S. No. and entry shall be inserted, namely :—

“290 No. 256 Customs, dated the 2nd July, 1987”.

[No. 257/87-Customs-F. No. 305/58/87-FTT.]

R. K. KAPOOR, Under Secy.